**The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain)**: (a) Yes. A scheme on the subject is under the consideration of U.P. Government.

(b) To carry out a detailed study of and research on musk-melons and water melons.

(c) Musk-melon shows are held every year by the Government of U. P. at Lucknow or other places noted for their cultivation in order to popularise and maintain the quality of the fruit.

**Linking of District Head Quarters by Telephone**

**229. Shri Karni Singhji**: Will the Minister of **Communications** be pleased to state :

(1) whether there is any proposal to connect all the Tehsil and District Headquarters in Rajasthan by telephone; and

(b) if so, within what period ?

**The Deputy Minister of Communications (Shri Raj Bahadur)**: (a) and (b). The proposal is in respect of District and Sub-Divisional Headquarter towns and not tehsil headquarters.

In Rajasthan State, all the 25 District Headquarter towns are connected to the trunk network.

Out of 53 Sub-divisional towns, 23 are already connected. Sanction has been issued for Public Call Offices at 22 more. Most of these would be connected by March, 1956. The remaining 8 places are likely to be taken up during 1956-57.

Out of 137 Tehsil stations, 24 have Public Call Offices and sanction has been issued for 5 more. Public Call Office proposals for Tehsil towns are considered only if they do not involve any loss to the Government.

**मुद्रण यंत्र**

२३०. **श्री एम० एल० द्विवेदी :**
**श्री गिडवानी ।**

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दक्षिण रेलवे प्रिंटिंग प्रैस को बढ़ाने के लिये कितने मुद्रण यंत्र, किस मूल्य पर, किस किस साल मंगाये गये थे ;

(ख) उनमें से लगाये गये कितने मुद्रण यंत्र ठीक तरह से काम कर रहे हैं; कितने टूट गये और कितने बिना प्रयोग के पड़े हैं ;

(ग) इस अवधि में वैयक्तिक प्रैसों को कितने मूल्य का छपाई का काम दिया गया ;

(घ) इन यंत्रों के प्रयोग न किये जाने अथवा देरी से प्रयोग किये जाने के क्या कारण ह; और

(ङ) सरकार द्वारा इस विषय में क्या कार्यवाही की जा रही है ?

**रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री अलगेशन)**: (क) १८ मशीनों का आर्डर दिया गया था, अब तक १६ मशीनें मिल चुकी हैं ।

आर्डर की गयी मशीनों की कीमत: १०७४००० रुपये

प्राप्त मशीनों की कीमत ९,२५,००० रुपये ।

| किससाल मंगाई गई | | मशीन |
|---|---|---|
| १९५१ | . | २ |
| १९५२ | . | २ |
| १९५३ | . | ४ |
| १९५४ | . | ५ |
| १९५५ | . . | ३ |

(ख) चार मशीनें लगायी गयी थीं जो ठीक काम कर रही हैं । कोई मशीन टूटी नहीं है और १२ मशीनों से अभी तक काम नहीं लिया गया है ।

(ग) १९५२–५३ ५,९७,६११ रु०
१९५३–५४ १८,३१,०५३ रु०
१९५४–५५ १०,६९,८५८ रु०

(घ) जिस इमारत में मशीन लगायी जायेगी वह अभी तैयार नहीं है ।

(ङ) इस बात की खास तौर पर कोशिश की जा रही है कि इमारत बनने और मशीनों के चालू होने में जहां तक हो सके कम समय लगे ।